# राष्ट्रीय सेवा भारती

www.rashtriyasewabharati.org | विक्रम संवत - 2082, भाद्रपद , कृष्ण पक्ष | ई बुलेटिन मासिक: सितम्बर -2025

# आपदा सन्नद्ध समाज - समृद्ध समाज

## जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड में सेवा भारती एवं संघ के आपदा राहत कार्य

हाल ही में जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड के विभिन्न क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदाओं ने अनेक परिवारों को गहरी कठिनाइयों में डाल दिया। ऐसे संकट की घड़ी में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और सेवा भारती के स्वयंसेवक निरंतर राहत और पुनर्वास कार्य में जुटे रहे। जम्मू-कश्मीर के **भद्रवाह क्षेत्र** के भेजा गाँव में भारी बारिश से 3–4 घर बह गए। सेवा भारती और संघ के कार्यकर्ताओं ने प्रभावित परिवारों को भोजन, बिस्तर और बर्तन जैसी आवश्यक सामग्री वितरित की। इसी तरह, **किश्तवाड़ (पाडर)** में बादल फटने से 42 लोगों की मृत्यु और 100 से अधिक लोग घायल हुए। यहाँ सेवा भारती डोडा–किश्तवाड़ ने एम्बुलेंस सेवा, भोजन वितरण, अस्थायी आवास और अन्य आवश्यक सेवाएँ प्रदान कर आपदा प्रबंधन की अहम जिम्मेदारी निभाई। जम्मू और कश्मीर के अन्य हिस्सों में भी स्वयंसेवक दिन-रात राहत सामग्री जैसे आटा, भोजन और पानी पहुँचाने में लगे रहे ताकि कोई भी परिवार भूखा या बेसहारा न रहे।

उत्तराखंड में भी आपदाओं ने कई इलाकों को प्रभावित किया। **उत्तरकाशी** में स्वयंसेवक सेवा कार्यों में सक्रिय रहे, जहाँ 70 वर्षीय विभाग संघचालक गुलाब सिंह नेगी जी ने युवाओं के साथ जुटकर सभी को प्रेरित किया। **थराली (चमोली)** और **रुद्रप्रयाग** जिले के डूंगर, बड़ेथ और छेनागाड़ गाँवों में स्वयंसेवकों ने तुरंत राहत पहुँचाई, जिसमें भोजन, कपड़े और आवश्यक वस्तुएँ शामिल थीं। इन सभी प्रयासों का उद्देश्य केवल तत्काल राहत पहुँचाना ही नहीं, बल्कि प्रभावित परिवारों के पुनर्वास और भविष्य को सुरक्षित करना भी है। सेवा भारती और संघ के स्वयंसेवकों का यह समर्पण समाज के लिए प्रेरणादायी है और यह संदेश देता है कि आपदा की घड़ी में संगठन और समाज मिलकर हर कठिनाई को पार कर सकते हैं।

**आपदा की घड़ी में सबसे बड़ी आवश्यकता है कि हम सब मिलकर मानवता के आधार पर एक-दूसरे का सहारा बनें।**

| | |
|---|---|
| 19520 | शिक्षा |
| 9560 | स्वास्थ्य |
| 9392 | सामाजिक |
| 5649 | स्वावलम्बन |

## सेवा कार्यवृत्त

“ नर सेवा नारायण सेवा का मूल ध्येय लेकर समाज में वंचित, अभावग्रस्त, उपेक्षित एवं पीड़ित लोगों के सर्वांगीण विकास हेतु राष्ट्रीय सेवा भारती सतत कार्यरत है। यह नगरीय - झुग्गी झोपड़ी एवं पुनर्वास बस्तियों में समाज कल्याण कार्यक्रम जैसे नि:शुल्क चिकित्सा, नि:शुल्क शिक्षा, कौशल विकास प्रशिक्षण केंद्रों के माध्यम से भी कार्यरत है। देशभर में राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा 44121 सेवा कार्य चलाए जा रहे हैं। ”

# प्रान्त एवं विभाग संगठन मंत्री प्रशिक्षण वर्ग

राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा दिनांक 19 से 22 अगस्त 2025 को सेवा भारती चिकित्सालय, उदयपुर (राजस्थान) में चार दिवसीय "प्रान्त एवं विभाग संगठन मंत्री प्रशिक्षण वर्ग" का आयोजन किया गया।

वर्ग के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय सेवा भारती के अ. भा. संगठन मंत्री श्री सुधीर कुमार जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वर्ग में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अ. भा. सह सेवा प्रमुख श्री राजकुमार मटाले जी, राष्ट्रीय सेवा भारती के संयुक्त महामंत्री श्री विजय पुराणिक जी, अ. भा. प्रकाशन प्रमुख श्री मूलचंद सोनी जी की उपस्थिति रही।

चार दिवसीय वर्ग में संगठनात्मक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाना, कौशल विकास, सेवा की कार्य पद्धति, कात्रे गुरुजी, यशोकथा के विषय रखे गए । वर्ग में प्रान्तों से प्रान्त संगठन मंत्री, विभाग संगठन मंत्री और मंत्रालय सम्मेलन सहित कुल 102 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

**प्रान्त: जम्मू कश्मीर**

**जम्मू-कश्मीर प्रान्त** में सेवा भारती द्वारा संचालित "**अपना भोजनालय**" ने गवर्नमेंट मेडिकल कॉलेज, जम्मू में 2 वर्ष पूरे किए। यहाँ प्रतिदिन 350–375 लोगों को मात्र 10 रुपये में पौष्टिक भोजन मिलता है और अब तक **2.65 लाख** से अधिक लोग लाभान्वित हो चुके हैं। आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों व परिजनों को निःशुल्क भोजन व आवश्यक सामग्री भी प्रदान की जाती है। यह पहल जरूरतमंदों के लिए सहारा और समाज में संवेदनशीलता की प्रेरक मिसाल है।

**प्रान्त: उत्तराखंड**

सेवा भारती **उत्तराखंड प्रांत** के अंतर्गत, सेवा भारती जिला ऋषिकेश द्वारा सेवाबस्ती की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से 5 दिवसीय मेहंदी प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाया गया।

**गुरुग्राम स्थित श्री केशव निलियम छात्रावास (सेवा भारती हरियाणा) के छात्रों ने हालिया खेलकूद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 11 रजत और 3 कांस्य पदक जीतकर संस्था का गौरव बढ़ाया। यह सफलता उनके अनुशासन, परिश्रम और समर्पण का परिणाम है।**

**प्रान्त: जम्मू कश्मीर**

हमारी छात्रा दृष्टि छत्रवास की कैडेट जिग्मेट ने सियाचिन बेस पर एनसीसी ट्रेकिंग कैंप सफलतापूर्वक पूरा कर सेवा भारती परिवार का नाम गौरवान्वित किया है। यह उपलब्धि अनुशासन, परिश्रम और साहस की प्रेरणादायी मिसाल है।

**प्रान्त: मेरठ**

**मेरठ प्रान्त** के ठाकुरद्वारा जिले में सेवा भारती द्वारा मेहंदी एवं सिलाई प्रतियोगिता आयोजित की गई। छह माह का प्रशिक्षण पूरा कर चुकी 15 बहनों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए।

**प्रान्त: हरियाणा**

# प्रशिक्षण और संस्कार से सशक्त समाज की ओर

## सेवा भारती के विभिन्न प्रान्तों में हाल ही में हुए सेवा कार्य समाज में नई ऊर्जा का संचार कर रहे हैं।

प्रान्त: मेरठ

**मेरठ प्रान्त** में केन्द्र संचालक-संचालिका प्रशिक्षण वर्ग आयोजित हुआ, जिसमें मेरठ महानगरों और जिलों से 90 कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की।

प्रान्त: मालवा

**मालवा प्रान्त** के नीमच और इंदौर छात्रावासों में बच्चों को पर्यावरण अनुकूल मिट्टी के गणेश बनाने का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उनमें पर्यावरण संरक्षण की समझ और रचनात्मकता का विकास हुआ।

प्रान्त: मध्यबंग

**मध्यबंग प्रान्त** में प्रथम प्रान्त प्रशिक्षण वर्ग संपन्न हुआ, जिसमें 23 संस्थाओं से 68 शिक्षार्थियों ने ट्रस्ट प्रबंधन, स्वावलम्बन और आपदा प्रबंधन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन प्राप्त किया। ये विविध पहलें आत्मनिर्भरता, संगठनात्मक सशक्तिकरण और सामाजिक जागरूकता की दिशा में सेवा भारती के सतत प्रयासों को दर्शाती हैं।

# कौशल विकास से आत्मनिर्भरता की दिशा में

प्रान्त: मध्यभारत

**मध्यभारत प्रान्त** ने खिलचीपुर में महिलाओं को इलेक्ट्रिक सीरीज बनाने का प्रशिक्षण दिया, ताकि त्यौहारों में विदेशी उत्पादों के स्थान पर स्वदेशी सीरीज को बढ़ावा मिल सके। इस प्रशिक्षण में खिलचीपुर और छापीहेड़ा क्षेत्र की लगभग 80 महिलाओं ने भाग लेकर स्वरोजगार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया।

**प्रान्त: मध्यभारत**

**मध्यभारत प्रान्त** के सेवा विद्या मंदिर में स्वतंत्रता दिवस गरिमा और उत्साह के साथ मनाया गया। ध्वजारोहण, दीप प्रज्वलन और राष्ट्रगान के साथ समारोह का शुभारंभ हुआ। चारों हाउस दलों ने बैंड की धुन पर आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत किया तथा छात्र संघ परिषद एवं हाउस कैप्टन का गठन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा भारती की उपाध्यक्ष श्रीमती अमिता जैन जी मुख्य अतिथि एवं निवेदिता आयाम प्रमुख, श्रीमती आभा पांडे जी विशिष्ट अतिथि रहीं।

**प्रान्त: जोधपुर**

**जोधपुर प्रान्त** के सेवा भारती हनुमानगढ़ द्वारा संचालित बाल संस्कार केन्द्रों का वार्षिकोत्सव जाट भवन, हनुमानगढ़ में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में डॉ. खुशाल यादव (जिला कलक्टर) मुख्य अतिथि, श्रीमती रेणु पाठक (महामंत्री, राष्ट्रीय सेवा भारती) मुख्य वक्ता एवं श्री नन्दलाल भाटी (अध्यक्ष, सेवा भारती जोधपुर प्रान्त) अध्यक्ष रहे। बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने शिक्षा, देशभक्ति और सामाजिक समर्पण का संदेश दिया।

**मध्यभारत प्रान्त** में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में 97 बच्चों की नेत्र, दंत एवं स्वास्थ्य जांच हुई और CPR प्रशिक्षण दिया गया।

**प्रान्त: दिल्ली**

**दिल्ली प्रान्त** के सेवा भारती केंद्रों पर भी स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। ध्वजारोहण, राष्ट्रगान और देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोह लिया।

**प्रान्त: केरल**

**केरल प्रान्त** में आयोजित नि:शुल्क नेत्र शिविर में कई मरीजों की जांच कर जरूरतमंदों के लिए मोतियाबिंद सर्जरी की व्यवस्था की गई। इसी प्रान्त के **कोल्लनकोडे** में आयुर्वेद शिविर हुआ, जिसमें स्थानीय लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर आयुर्वेदिक उपचार व औषधियों की जानकारी प्राप्त की।

**प्रान्त: मध्यभारत**

# दक्षिण के सेनापति - यादवराव जोशी

ठिगने कद के, साधारण से दिखने वाले धुन के पक्के एक मराठी भाषी युवक ने अपने जिंदगी 50 साल दक्षिण –भारत को दिए व इतिहास रच दिया। कर्नाटक में प्रचारक बनकर आने से पहले यादवराव जोशी ने शायद ही कभी कन्नड़ सुनी हो पर पूरा जीवन कन्नड भाषी लोगों के दिलों पर राज किया। उन्होंने अपने फालोअर्स बनाने की कोशिश कभी नहीं की सबकी सेवा के लिए हाथ बढ़ाए व लोग उनके पीछे चलते गए। यादवरावजी की प्रेरणा से शुरू हुई राष्ट्रोत्थान परिषद, एक ओर जरूरतमंद मरीजों के लिए बैंगलौर का सबसे बड़ा ब्लड बैंक चलाती है जिसमें गरीब मरीजों को सबसे कम पैसे में खून मिलता है, तो दूसरी ओर झुग्गियों के बच्चों के लिए फ्री कोचिंग सेंटर चलाती है। केरल में छोटे –छोटे बच्चों को बालगोकुलम के जरिए भारत की संस्कृति से जोड़ने के प्रेरक भी यादवरावजी ही थे।

नागपुर में 3 सितंबर 1914 को अनंत चर्तुदशी के पर्व पर वेदपाठी परिवार में जन्में यादवरावजी का बचपन गरीबी व अभावों में बीता। जब कठिनाईयों को दूर करने के लिए धन कमाने का समय आया तब एम.ए व लॉ करने के बाद वे प्रचारक निकल गए। उन दिनों इतने पढ़े-लिखे लोगों बहुत कम मिलते थे। यादवरावजी ने हर उस चीज का त्याग किया जो उन्हें नाम दे सकती थी।

बाल भास्कर के रूप में जाने वाले यादवरावजी के गायन प्रतिभा का लोहा भीमसेन जोशी भी मानते थे। पर संघ कार्य के लिए उन्होंने संगीत से भी सन्यास ले लिया। संघ की प्रार्थना नमस्ते सदा वत्सले को पहली बार गाने वाले जोशीजी पर गाँधी हत्या के लिए गोड़से को उकसाने का आरोप लगा तब व 1975 में दोनों बार संघ पर प्रतिवंध के समय वे जेल गए व हर बार दुगुनी ऊर्जा से संघकार्य में लग गए। दक्षिण के सेनापति कहे जाने वाले जोशीजी ने तमिलनाडू, केरल , कर्नाटक व आँध्रप्रदेश में संघकार्य की नींव रखी व सेवा को संघ के काम में शामिल किया।

सेवाव्रती ट्रेंड भी किए जा सकते हैं यादवरावजी की इस सोच ने बैंगलौर में हिंदू सेवा प्रतिष्ठान को जन्म दिया। प्रतिष्ठान ने युवा लड़के लड़कियों को सोशल सर्विस की ट्रेनिंग देकर तीन साल इंटीरियर गाँवों में सेवा करने भेजा। अब तक संस्था के जरिए 5000 से अधिक सेवाव्रती ट्रेंड किए जा चुके हैं, जिनमें से कईयों ने अपना जीवन इसी कार्य के लिए समर्पित कर दिया। स्वयं जीवन भर बेहद सादगी भरा जीवन जीकर, अंतिम साँस तक देश व समाज के लिए कार्य करने वाले यादवरावजी संघ के पहले अघोषित अखिल भारतीय सेवाप्रमुख थे, जिन्होंने सेवाविभाग की रचना से पहले से संघ को सेवा से जोड़ा।

# प्रान्तों में भावनाओं और संस्कारों से रक्षाबंधन का पर्व मनाया गया।

प्रान्त: जम्मू कश्मीर

**जम्मू-कश्मीर प्रान्त** में सेवा भारती द्वारा दिशा छात्रावास, कटरा में आसपास की बहनों के साथ छात्रों ने मिलकर यह पर्व मनाया।

प्रान्त: जम्मू कश्मीर

इसी तरह, अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर **गखरैल** में दृष्टि और दिव्या छात्रावास की बहनों ने बीएसएफ जवानों संग राखी मनाकर राष्ट्ररक्षा में उनके योगदान को नमन किया।

प्रान्त: जम्मू कश्मीर

**जम्मू-कश्मीर प्रान्त** के म**डोडा** जिले में बहनों ने वीर सैनिक भाइयों की कलाई पर राखी बांधकर उनके साहस और त्याग के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रान्त: जम्मू कश्मीर

**जम्मू-कश्मीर प्रान्त** के **राजौरी** के दक्ष हॉस्टल में भी यह उत्सव अतिथियों की उपस्थिति में भव्य रूप से संपन्न हुआ।

प्रान्त: उत्तराखंड

**उत्तराखंड प्रान्त के हल्द्वानी में सेवा बस्ती में आयोजित कार्यक्रम में रक्षाबंधन को समाजिक समरसता और वसुधैव कुटुंबकम की भावना से जोड़ा गया, जहाँ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने कुरीतियों को समाप्त कर समाज को एकजुट करने का आह्वान किया।**

प्रान्त: पंजाब

**पंजाब प्रान्त** में भी उत्सव की विशेष छटा देखने को मिली। **फाजिल्का बॉर्डर** पर सेवा भारती फाजिल्का इकाई की बहनों ने बीएसएफ जवानों की कलाई पर रक्षा सूत्र बांधकर उन्हें परिवार का स्नेह दिया। भावुक क्षणों में जवानों ने साझा किया कि यह अपनापन ही उन्हें सीमाओं पर डटे रहने की शक्ति देता है।

प्रान्त: पंजाब

**पंजाब के बरनाला** में भी बच्चों द्वारा तैयार राखियों और रंगारंग प्रस्तुतियों से कार्यक्रम जीवंत हुआ, जहाँ स्थानीय जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ताओं ने बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

**यह सभी आयोजन इस बात के साक्षी बने कि रक्षाबंधन केवल भाई-बहन का त्यौहार नहीं, बल्कि समाज में सुरक्षा, स्नेह और विश्वास का जीवंत प्रतीक है। यह पर्व हर वर्ष हमें याद दिलाता है कि चाहे सैनिक सीमा पर हों या समाज में कोई भी परिवार, हम सब एक-दूसरे की रक्षा और सहयोग के लिए सदैव प्रतिबद्ध हैं।**

## जयपुर और मालवा प्रान्तों में भावनाओं और संस्कारों से जन्माष्टमी उत्सव मनाया गया।

प्रान्त: जयपुर

प्रान्त: मालवा



राष्ट्रीय सेवा भारती
वेबसाइट :www.rashtriyasewabharati.org
ईमेल : office@rashtriyasewabharati.org
फोन न. : 011-46523618, मोबाइल न. 09868245005